रणजीत टाइम्स
इंदौर
शनिवार, 24 जनवरी, 2026
वर्ष 02 | अंक 24 कुल पृष्ठ : 8 | Digital
RNI-NO.MPHIN/2015/64585
प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

UAE ने निभाई दोस्ती, 900 से ज्यादा भारतीय कैदियों की सजा और जुर्माना माफ करने का एलान

भारत और संयुक्त अरब अमीरात (UAE) के बीच रिश्ते में एक और सकारात्मक कदम देखने को मिल रहा है। UAE सरकार ने नेशनल डे से पहले 900 से ज्यादा भारतीय कैदियों को रिहा करने का फैसला लिया है। इसके लिए अबू धाबी स्थित भारतीय दूतावास को रिहा करने वाले कैदियों की लिस्ट सौंप दी है। दरअसल, UAE सरकार ने जेल में बंद 900 से अधिक भारतीय नागरिकों को रिहा करने का निर्णय अपने 'नेशनल डे' (ईद अल इतिहाद) के उपलक्ष्य में मानवीय आधार पर लिया है।

2 दिसंबर को मनाया जाता है ईद अल एतिहाद

पिछले साल 27 नवंबर को UAE प्रेसिडेंट ने अपनी वेबसाइट पर शेयर किए गए एक ऑफिशियल ऑर्डर में बताया था कि ईद अल एतिहाद से पहले 2937 कैदियों को रिहा किया गया है। बताते चले कि ईद अल एतिहाद 2 दिसंबर को UAE का नेशनल सेलिब्रेशन है। यह समारोह हर साल 2 दिसंबर को मनाया जाता है और यह 1971 में सात अमीरात के एकीकरण की याद दिलाता है।

नहीं देना होगा जुर्माना

सबसे खास बात यह है कि यूएई के राष्ट्रपति महामहिम शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने कैदियों पर उनकी सजा के हिस्से के रूप में लगाए गए वित्तीय दंड (जुर्माने) को भी माफ करने का वादा किया है। यानी कैदियों के परिवारों पर आर्थिक बोझ नहीं पड़ेगा और वे अपने प्रियजनों के पुनर्वास में मदद कर सकेंगे।

भारत और UAE के बीच कैसा है संबंध?

गौरतलब है कि सोमवार को UAE के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर भारत का आधिकारिक दौरा किया। पिछले 10 सालों में यह उनका उनका पांचवां दौरा और UAE के राष्ट्रपति के तौर पर तीसरा आधिकारिक दौरा था। उनके दौरे के दौरान एक रणनीतिक रक्षा साझेदारी को पूरा करने की दिशा में एक आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए गए। UAE के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन ने भारत दौरे के दौरान पीएम के साथ क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। उन्होंने बहुपक्षीय और बहुपक्षीय मंचों पर उत्कृष्ट सहयोग और आपसी समर्थन का उल्लेख किया। UAE की तरफ से 2026 में भारत की BRICS अध्यक्षता की सफलता के लिए पूरा समर्थन दिया गया।

'ये मोदी की गारंटी है'

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम में आयोजित एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए राज्य की राजनीति और भविष्य को लेकर बड़ा संदेश दिया। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि केरल में अब बदलाव तय है और यह बदलाव विकास, सुशासन और जनविश्वास के साथ आएगा। उन्होंने कहा कि सबरीमाला सहित आस्था और परंपराओं से जुड़े मुद्दों पर भाजपा की नीति बिल्कुल स्पष्ट है और यह "मोदी की गारंटी" है कि लोगों की भावनाओं का सम्मान किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने हाल ही में हुए तिरुवनंतपुरम नगर निगम चुनावों का जिक्र करते हुए कहा कि वहां भाजपा की जीत इस बात का संकेत है।

कठुआ में सुरक्षाबलों की बड़ी कार्रवाई, जैश-ए-मोहम्मद का पाकिस्तानी आतंकी ढेर, इलाके में सर्च ऑपरेशन तेज

कठुआ। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले से एक बड़ी और राहत भरी खबर सामने आई है, जहां सुरक्षाबलों ने आतंकवाद के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में अहम सफलता हासिल की है। बिलावर इलाके में शुक्रवार सुबह हुए एक एनकाउंटर में जैश-ए-मोहम्मद संगठन से जुड़े एक पाकिस्तानी आतंकी को सुरक्षाबलों ने मार गिराया। यह आतंकी पिछले कई दिनों से इलाके में सक्रिय था और लगातार सुरक्षा एजेंसियों को चकमा देकर फरार चल रहा था। जम्मू रेंज के आईजीपी के अनुसार, सुरक्षाबलों को खुफिया एजेंसियों से सटीक सूचना मिली थी कि एक आतंकी भोजन और अन्य जरूरी सामान लेने के लिए बिलावर क्षेत्र में एक स्थानीय युवक के घर पहुंचने वाला है। इस इनपुट के आधार पर सेना, सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस की संयुक्त टीम ने इलाके में घेराबंदी कर रखी थी। जैसे ही आतंकी मौके पर पहुंचा, सुरक्षाबलों ने उसे आत्मसमर्पण का मौका दिया, लेकिन उसने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में सुरक्षाबलों ने उसे मौके पर ही ढेर कर दिया। मुठभेड़ के बाद पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन तेज कर दिया गया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आसपास कोई अन्य आतंकी छिपा न हो। सुरक्षाबलों की यह कार्रवाई क्षेत्र में आतंकवाद के नेटवर्क को कमजोर करने की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है।

प्रधानमंत्री मोदी का केरल-तमिलनाडु दौरा

नई रेल सेवाओं की सौगात, इनोवेशन हब और चुनावी अभियान का आगाज

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को केरल और तमिलनाडु के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे केरल में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए एक नए इनोवेशन हब की आधारशिला रखेंगे, वहीं चार नई रेल सेवाओं को हरी झंडी दिखाकर क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को मजबूती देंगे। इसके साथ ही शहरी आजीविका को सशक्त बनाने की दिशा में पीएम स्वनिधि क्रेडिट कार्ड भी जारी किए जाएंगे, जिससे रेहड़ी-पटरी वालों के वित्तीय समावेशन को नया आयाम मिलेगा। राज्य की राजधानी में एक आधुनिक डाकघर का उद्घाटन भी उनके कार्यक्रम में शामिल है। रेल संपर्क को विस्तार देने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री चार नई रेल सेवाओं का शुभारंभ करेंगे, जिनमें तीन अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनें होंगी। इन ट्रेनों के शुरू होने से केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के बीच लंबी दूरी की यात्रा अधिक सुविधाजनक होगी। इससे यात्रियों को किफायती, सुरक्षित और समयबद्ध सफर मिलेगा, वहीं पर्यटन, व्यापार, शिक्षा और रोजगार के अवसरों को भी बढ़ावा मिलेगा। प्रधानमंत्री केरल में एक लाख से अधिक लाभार्थियों, जिनमें रेहड़ी-पटरी वाले भी शामिल हैं, को पीएम स्वनिधि ऋण वितरित करेंगे। इसके अलावा तिरुअनंतपुरम में सीएसआईआर-एनआईआईएसटी के इनोवेशन, टेक्नोलॉजी और एंटरप्रेन्योरशिप हब की आधारशिला रखकर विज्ञान और नवाचार के क्षेत्र में नए अवसरों की नींव डालेंगे।

तमिलनाडु में चुनावी अभियान की शुरुआत

प्रधानमंत्री मोदी शुक्रवार को केरल और तमिलनाडु में जनसभाओं को संबोधित कर भाजपा के चुनावी अभियान का औपचारिक आगाज करेंगे। दौरे से पहले भाजपा के वरिष्ठ नेता और तमिलनाडु चुनाव प्रभारी पीयूष गोयल ने सहयोगी दलों के साथ कई दौर की बैठकें कर रणनीति को अंतिम रूप दिया। भाजपा ने एएमएमके और पीएमके के एक गुट को साथ लाकर गठबंधन को मजबूती देने का दावा किया है। कार्यक्रम के अनुसार प्रधानमंत्री तिरुअनंतपुरम से चेन्नई एयरपोर्ट पहुंचेंगे, जहां से हेलीकॉप्टर द्वारा मदुरांतकम जाएंगे। इसके बाद सड़क मार्ग से कार्यक्रम स्थल पहुंचकर दोपहर करीब तीन बजे जनसभा को संबोधित करेंगे। शाम साढ़े चार बजे वे वापस चेन्नई लौटेंगे और लगभग पांच बजे दिल्ली के लिए रवाना होंगे।

सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक इंतजाम

केंद्रीय मंत्री एल. मुरुगन ने बताया कि प्रधानमंत्री की तीन घंटे की इस यात्रा को लेकर सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए गए हैं।

थाना खजराना पुलिस की विवेचना में हत्या के आरोपी को मिली आजीवन कारावास की सजा

रणजीत टाइम्स

इंदौर- दिनांक 30/08/2024 को थाना खजराना पर सूचना प्राप्त हुई कि खजराना गणेश मंदिर के पीछे पुरानी पार्किंग के पास पानी की होदी में एक बालिका का शव मिला हे जिस पर से थाना खजराना पर मर्ग क्रमांक 62/2024 धारा 194 बीएनएस का मर्ग कायम किया जाकर ज्ञात हुआ कि उक्त मृतिका बालिका का नाम आरती हे तत्पश्चात श्रीमान थाना प्रभारी द्वारा तुरंत 01 टीम गठित कर उक्त अज्ञात आरोपी को ज्ञात करने हेतु लगाया गया जाकर मुखबिरी सूचना एवं सैकड़ों फुटेज खंगालने के पश्चात ज्ञात हुआ कि बालिका के पिता कालू उर्फ शेरू पिता इस्माईल खान निवासी खजराना द्वारा दिनांक 29/08/2024 की रात्रि 22.00 बजे के करीब बालिका को गोद में लेकर पानी से भरे हौज में जाते देखा हे एवं बालिका को डुबाने की घटना को अंजाम दिया गया हे तत्पश्चात आरोपी कालू उर्फ शेरू के खिलाफ थाना खजराना में अपराध क्रमांक 702/24 धारा 103(1) का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए श्रीमान पुलिस आयुक्त महोदय श्री संतोष सिंह एवं अतिरिक्त पुलिस आयुक्त महोदय श्री अमित सिंह द्वारा प्रकरण में प्राथमिकता पर कार्यवाही के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए थे। जिसके तारतम्य में श्रीमान पुलिस उपायुक्त महोदय जोन-2 श्री कुमार प्रतीक एवं अति.पुलिस उपायुक्त जोन-2 श्री अमरेंद्र सिंह एवं श्रीमान सहायक पुलिस आयुक्त महोदय श्री कुंदन मंडलोई के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी महोदय खजराना मनोज सिंह सेंधव को उक्त प्रकरण में प्राथमिकता के आधार पर प्रभावी कार्यवाही के लिए दिशा निर्देश दिए एवं लगातार मॉनिटरिंग की गई। विवेचना के दौरान से ही श्रीमान थाना प्रभारी महोदय खजराना द्वारा तुरंत 01 टीम गठित कर आरोपी कालू उर्फ शेरू को राउंडअप कर गिरफ्तार करने हेतु लगाया गया। इसी दौरान मुखबिरी सूचना तंत्र एवं पुलिस के अथक प्रयासों से आरोपी को राउंडअप कर विधिवत गिरफ्तार किया जाकर अभियुक्त कालू उर्फ शेरू पिता इस्माइल खान को न्यायालय समक्ष प्रस्तुत किया जाकर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया। प्रकरण की गंभीरता व संवेदनशीलता को दृष्टिगत रखते हुए उक्त प्रकरण को पुलिस उपायुक्त महोदय जिला इंदौर द्वारा जघन्य सनसनी खेज गंभीर अपराध की श्रेणी में चिन्हित किया जाकर प्रकरण के विवेचक उप निरीक्षक संदीप पटेल द्वारा अनुसंधान पूर्ण कर अभियुक्त के विरुद्ध अभियोग पत्र माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। प्रकरण के जघन्य सनसनीखेज गंभीर अपराध की श्रेणी में होने से चिन्हित प्रकरण के न्यायालय में ट्रायल के दौरान साक्षीगणो के अभियोजन पक्ष में बयान कराए गए जिस पर से माननीय न्यायालय के द्वारा अभियुक्त कालू उर्फ शेरू को आज दिनांक 22/01/2026 को आजीवन कारावास एवं 1000 रुपए के अर्थ दंड से दंडित किया है।

कालू उर्फ शेरू खान

आरोपी का नाम

कालू उर्फ शेरू पिता इस्माइल खान निवासी खजराना गणेश मंदिर के पीछे, पुराना पार्किंग स्टैंड खजराना इंदौर (म. प्र.) उक्त कार्यवाही में निरीक्षक मनोज सिंह सेंधव, उनि. संदीप पटेल, सउनि गणेश मुजाल्दे, प्रआर. अजित यादव, आर. उत्तम, शुभम सिंह, राजेंद्र किराड़े एवं प्रदीप सूर्यवंशी की सराहनीय भूमिका रही।

बुनियाद सुविधाएं देने में भी असफल है डीन मुथा

मेडिकल कॉलेज में दो वर्षों से जल संकट, छात्रों की आवाज़ दबाई जा रही!

रणजीत टाइम्स

डॉ. लक्ष्मीनारायण पांडेय शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय में पिछले दो वर्षों से व्याप्त जल संकट ने संस्थान की गंभीर प्रशासनिक विफलता को उजागर कर दिया है। कॉलेज के बॉयज़ हॉस्टल, गर्ल्स हॉस्टल, पीजी हॉस्टल तथा अकादमिक ब्लॉक—इनमें से किसी भी स्थान पर आज की तारीख में स्वच्छ पेयजल का एक भी भरोसेमंद स्रोत उपलब्ध नहीं है। 900 से अधिक एमबीबीएस छात्र, लगभग 100 स्नातकोत्तर छात्र तथा परिसर में निवास करने वाले रेज़िडेंट्स इस संकट से प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित हैं। छात्रों के अनुसार, कॉलेज परिसर में स्थापित वाटर कूलर पिछले दो वर्षों से अधिकांशतः गैर-कार्यशील हैं और पानी की आपूर्ति अत्यंत असंतोषजनक एवं अनियमित बनी हुई है। मजबूरी में बाहर से मंगवाया जा रहा पानी भी गुणवत्ता मानकों पर खरा नहीं उतरता। इसके बावजूद, बार-बार शिकायतें किए जाने और प्रशासन व डीन को अवगत कराने के बाद भी अब तक कोई स्थायी या ठोस समाधान नहीं किया गया। यह स्थिति डीन की स्पष्ट नाकामयाबी, लापरवाही और गैर-जिम्मेदार रवैये को दर्शाती है। यदि छात्र बाहर से लाया गया पानी पीने के कारण बीमार पड़ते हैं, तो इसकी नैतिक, प्रशासनिक और कानूनी ज़िम्मेदारी आखिर किसकी होगी—यह एक गंभीर प्रश्न है।

स्थिति इतनी भयावह हो चुकी है कि छात्र अपनी बुनियादी आवश्यकताओं को लेकर भी खुलकर बोलने में असमर्थ हैं। डीन के विरुद्ध आवाज़ उठाने का भय इतना गहरा है कि छात्र प्रतिनिधित्व, संवाद और शिकायत की लोकतांत्रिक प्रक्रिया लगभग दबा दी गई है। डर के इस माहौल में छात्रों के स्वास्थ्य और जीवन से जुड़े मुद्दे भी अनसुने किए जा रहे हैं। जल संकट के साथ-साथ महाविद्यालय और संबद्ध अस्पताल की कैंटीन सेवाओं की स्थिति भी अत्यंत चिंताजनक और खतरनाक होती जा रही है। छात्रों और रेज़िडेंट्स के अनुसार, कॉलेज कैंटीन की गुणवत्ता जुलाई 2024 के बाद से लगातार गिरती चली गई है। भोजन की गुणवत्ता असंतोषजनक है और अनेक अस्वच्छ व असुरक्षित खाद्य प्रथाएँ सामने आ रही हैं। अत्यंत गंभीर तथ्य यह है कि कैंटीन के किचन के ठीक पास एक खुली सीवर लाइन बह रही है, जिसमें लगातार लीकेज हो रहा है। यह स्थान मक्खियों और गंदगी का केंद्र बन चुका है, जो संक्रामक रोगों को फैलाने का एक खुला निमंत्रण है। यह स्थिति किसी भी समय बड़े स्वास्थ्य संकट में बदल सकती है। इसके बावजूद, डीन और प्रशासन द्वारा कोई प्रभावी कार्रवाई न किया जाना उनकी गैर-जिम्मेदार निगरानी और प्रशासनिक उदासीनता को दर्शाता है।

विशेष चिंता का विषय यह भी है कि महाविद्यालय में अध्ययनरत अनेक छात्र ग्रामीण, आदिवासी एवं आर्थिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि से आते हैं, जो पहले से ही महँगी चिकित्सा शिक्षा, भोजन और पानी की बढ़ती लागत का बोझ उठा रहे हैं। ऐसे छात्रों को स्वच्छ पेयजल और सुरक्षित भोजन जैसी बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध न कराना न केवल प्रशासनिक विफलता है, बल्कि मानवीय संवेदनाओं और संस्थागत दायित्वों के भी पूर्णतः विपरीत है।

नवागत कलेक्टर ने किया पदभार ग्रहण

गोलू यादव

नवागत कलेक्टर साकेत मालवीय ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट अशोकनगर पहुंचकर 22 वें अशोकनगर कलेक्टर के पद पर पदभार ग्रहण किया। मालवीय 2014 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी हैं। मालवीय इसके पूर्व संचालक कर्मचारी चयन मण्डल मध्यप्रदेश भोपाल में पदस्थ थे। साथ ही सीधी कलेक्टर,मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सिंगरौली में पदस्थ रहे। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मोहरी राजेश जैन, अपर कलेक्टर डी.एन.सिंह, संयुक्त कलेक्टर आर.बी.सिण्डोस्कर,एसडीएम अशोकनगर श्रीमती शुभ्रता त्रिपाठी,ईसागढ़ एसडीएम त्रिलोचन गौड़,चंदेरी एसडीएम मनीष धनगर उपस्थित रहे।

उच्च न्यायालय खंडपीठ इंदौर में नार्थ एडमिनिस्ट्रेटिव ब्लॉक का शुभारंभ

इंदौर। उच्च न्यायालय खंडपीठ इंदौर में स्थित नार्थ एडमिनिस्ट्रेटिव ब्लॉक का उद्घाटन मुख्य अतिथि मुख्य न्यायाधिपति उच्च न्यायालय जबलपुर श्री संजीव सचदेवा द्वारा किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उच्च न्यायालय खंडपीठ इंदौर के प्रशासनिक न्यायाधिपति श्री विजय कुमार शुक्ला द्वारा की गयी। इसके अतिरिक्त कार्यक्रम में उच्च न्यायालय खंडपीठ के समस्त न्ययाधिपतिगण, उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन के पदाधिकारीगण, वरिष्ठ अधिवक्तागण, कलेक्टर, नगर निगम कमिश्नर, उच्च न्यायालय के कर्मचारीगण एवं लोक निर्माण विभाग के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

श्री महाकाली भूतकाल के बंधनों से मुक्त कर आनंद प्रदान करती हैं

सहजयोग संस्थापिका परम पूज्य आदिशक्ति श्री माताजी निर्मला देवी जी द्वारा वर्णित है कि, "हमारे अंदर तीन तरह की शक्तियां विराजती हैं। पहली जो शक्ति है मुख्यतः वह है इच्छा शक्ति। अगर परमात्मा की इच्छा ही नहीं होती तो वे संसार क्यों बनाते ? उनकी इच्छाशक्ति के अंदर से ही बाकी की शक्तियां निकली हैं। इसी इच्छाशक्ति को सहज योग की भाषा में महाकाली की शक्ति कहते हैं।"

(नई दिल्ली 17 / 2/ 1989) महाकाली की शक्ति हमारे बायीं ओर ईड़ा नाड़ी से प्रवाहित होती है।परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी जी ने महाकाली का वर्णन करते हुए कहा है, "वे आनंद प्रदायिनी हैं और अपने भक्तों को आनंदित देखकर प्रसन्न होती हैं। आनंद ही उनका गुण और शक्ति है। विभिन्न चक्रों पर आप विभिन्न प्रकार के आनंद अनुभव करते हैं वह सब महाकाली की देन होती है।(फ्रांस 12/ 9 /1990) श्री महाकाली दो तरह से कार्य करती हैं। जहां एक ओर हमें उनके प्रेममयी, आनंद एवं खुशी से परिपूर्ण स्वरूप के दर्शन होते हैं, तो वहीं दूसरी ओर अति क्रूर क्रुद्ध और असुरों का वध करने वाले रौद्र रूप के। वे अपने दोनों ही स्वरुपों द्वारा अपनी

पवित्र, सरल, विवेकी आत्मसाक्षात्कारी संतानों के हित के लिए कार्य करती हैं। श्री माताजी ने अपनी अमृतवाणी में उपदेशित किया है कि," जब हम अपना आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करते हैं तो श्री महाकाली का प्रकटीकरण आरंभ हो जाता है। महाकाली में शुद्धिकरण की शक्ति है और वे स्वयं आप में पवित्र सती के रूप में रहती हैं। वही कुंडलिनी हैं, वही श्री महाकाली शक्ति हैं।" (फ्रांस 12/ 9/ 1990) स्त्रियों में श्री महाकाली शक्ति अपने शांत स्वरूप में शालीनता का गुण प्रकट करती हैं। श्री माताजी के अनुसार, "जब तक शालीनता स्त्री में कार्यान्वित नहीं होती तब तक गृहलक्ष्मी की शक्ति उसके अंदर प्रकटित नहीं होती।" (जयपुर 11/ 12 /1994) आत्म साक्षात्कार की प्राप्ति के पश्चात ध्यान धारणा द्वारा महाकाली की शक्ति जागृत की जा सकती है। जिससे हम बायीं ओर की समस्याओं, भूतकाल के बंधनों तथा अनेक प्रकार की मानसिक व शारीरिक बाधाओं से सहज में मुक्ति पा सकते हैं। सहज योग निशुल्क भी है और आसान भी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी हेतु टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 अथवा यूट्यूब चैनल लर्निंग सहजयोगा से प्राप्त कर सकते हैं।

प्रशासन को ठेंगा दिखा रहा सिल्वर पार्क का बिल्डर तरंजीत नारंग, वादे के बाद भी सड़कों पर बह रहा सीवर का गंदा पानी

दीपक वाड़े कर

इंदौर (कनाडिया): ग्राम पंचायत पनोद के अंतर्गत आने वाली सिल्वर पार्क कॉलोनी (बाल्याखेड़ा) के निवासी नरकीय जीवन जीने को मजबूर हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि एसडीएम (अनुविभागीय अधिकारी) कनाडिया के निर्देश पर हुए निरीक्षण और बिल्डर द्वारा लिखित में दिए गए आश्वासन के बावजूद धरातल पर स्थिति जस की तस बनी हुई है। कॉलोनी की सड़कों पर आज भी ड्रेनेज का गंदा पानी जमा है, जिससे महामारी फैलने का खतरा बढ़ गया है।

क्या है पूरा मामला?

बीते दिनों एसडीएम कनाडिया के निर्देश पर राजस्व टीम (पटवारी उमेश बाथम), पीएचई विभाग के प्रतिनिधियों और स्थानीय सरपंच-सचिव ने कॉलोनी का संयुक्त निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान पाया गया था कि:

फेज-2 और फेज-3 में जल निकासी की व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त है। कॉलोनी के एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) बंद पड़े हैं और काम नहीं कर रहे हैं। खाली प्लॉटों और सड़कों पर सीवर का पानी जमा होने से बदबू और बीमारियां बढ़ रही हैं। गंदा पानी आसपास के किसानों के खेतों में भी घुस रहा है, जिससे फसलों को नुकसान हो रहा है।

बिल्डर का लिखित वादा निकला खोखला

निरीक्षण के दौरान कॉलोनी के बिल्डर तरंजीत नारंग ने लिखित में स्वीकार किया था कि ड्रेनेज सिस्टम दुरुस्त नहीं है। उन्होंने ५ जनवरी २०२६ को एक पत्र के माध्यम से प्रशासन को आश्वासन दिया था कि "७ दिनों के भीतर" रुकी हुई जल निकासी की व्यवस्था कर दी जाएगी और ड्रेनेज लाइन को पास के नाले से जोड़ा जाएगा। लेकिन हफ्तों बीत जाने के बाद भी काम शुरू नहीं हुआ है।

ग्रामीणों और किसानों में भारी आक्रोश

बिल्डर
तरंजीत नारंग

निवासियों का आरोप है कि बिल्डर केवल समय टालने के लिए झूठे वादे कर रहा है। पटवारी द्वारा बनाए गए पंचनामे में स्पष्ट उल्लेख है कि पानी की निकासी न होने से सड़कों पर जलजमाव है। स्थानीय किसान राज पाल सिँह कुशवाह ने भी शिकायत की है कि कॉलोनी का गंदा पानी उनके खेतों में भरने से वे रबी की फसल नहीं लगा पा रहे हैं।

प्रशासनिक कार्रवाई की मांग

कॉलोनी वासियों ने अब जिला प्रशासन से मांग की है कि बिल्डर के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाए। यदि जल्द ही ड्रेनेज और कचरा प्रबंधन की व्यवस्था नहीं सुधारी गई, तो रहवासी उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

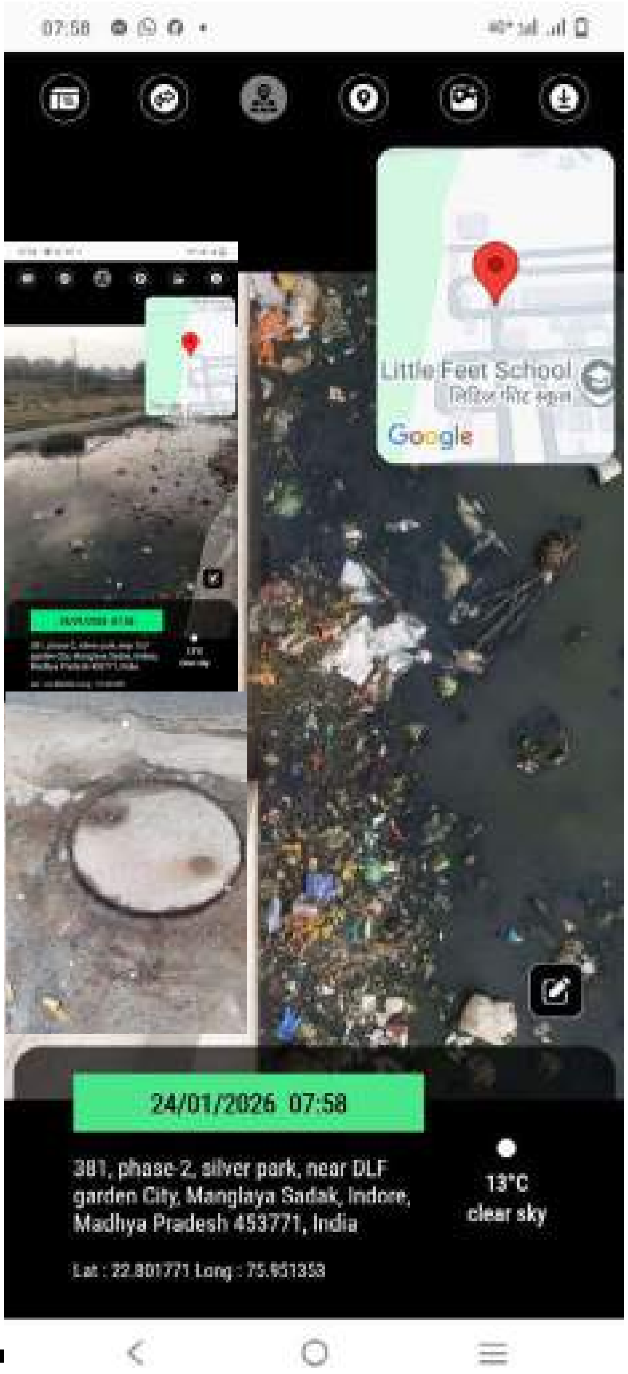

तिरुवनंतपुरम की रैली में पीएम ने बच्चों पर लुटाया प्यार

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी शुक्रवार को तिरुवनंतपुरम रैली में भी अपनी चिर-परिचित अंदाज में बच्चों से मुखातिब हुए। उन्होंने पोस्टर लिए एक बच्चे के साथ मंच से संवाद किया और उसे फोटो के पीछे पता लिखने की गुजारिश की, ताकि वह भविष्य में पत्र लिख सकें। इस मौके पर उन्होंने ट्रोल करने के लिए विपक्षी दलों को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि मैं देश भर में जहां जाता हूं, बहुत से युवा और बालक अपनी भावना प्रकट करते हैं। इसके बाद मुझको विशेष प्रेम करने वाले लोग भांति-भांति के रील बनाते हैं। इसे प्री प्लान और बड़ा ड्रामा कहते हैं। ये सारी गालियां मैं सुनता हूं क्योंकि मैं आपके प्यार को समझता हूं। मैं छोटे-छोटे बच्चों की भावनाओं को समझता हूं। मैं रील बनाने वालों की गालियां खाता रहूंगा, मगर किसी बच्चे ने दो दिन-तीन दिन मेहनत की है, उसके प्यार का अपमान नहीं कर सकता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम में एक जनसभा की। उन्होंने कहा कि यह पल उनके लिए बेहद भावुक है और लाखों कार्यकर्ताओं की मेहनत अब रंग ला रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सभा में दिख रही ऊर्जा एक नई उम्मीद महसूस हो रही है।

● अत्याधुनिक रेडियो सर्जरी केंद्र की आधारशिला भी रखी- मोदी ने पीएम स्वनिधि योजना के तहत कई लाभार्थियों को ऋण राशि और क्रेडिट कार्ड भी वितरित किए। उन्होंने कहा कि इस योजना का मकसद केरल और पूरे देश के गरीबों का कल्याण करना है। साथ ही उन्होंने यहां 'श्री चित्रा तिरुनल इंस्टीट्यूट फॉर मेडिकल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी' में अत्याधुनिक रेडियो सर्जरी केंद्र की आधारशिला भी रखी और नए पूजप्पुरा मुख्य डाकखाने का उद्घाटन किया। मोदी ने कहा कि पूरा देश आज एक विकसित भारत के निर्माण में जुटा है।

रातापानी टाइगर रिजर्व में नजर आए बाघ के दुश्मन ढोल

● सोशल मीडिया पर साझा हुई तस्वीरें; 2026 की छठी प्रजाति, जो कैमरे में रिकॉर्ड

भोपाल। भोपाल से सटे रातापानी टाइगर रिजर्व में गुरुवार को संकटग्रस्त (एंडेंजर्ड) प्रजाति के वन्य प्राणी ढोल डॉग की साइटिंग हुई है। इसकी तस्वीर शुक्रवार को रातापानी टाइगर रिजर्व के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल से साझा की गई। टाइगर रिजर्व अधिकारियों के अनुसार, जंगल के दृष्टिकोण से यह बेहद सकारात्मक संकेत है। इससे आने वाले समय में न केवल टाइगर रिजर्व की जैव विविधता में वृद्धि होगी, बल्कि भोपाल में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। इससे रातापानी टाइगर रिजर्व को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिलने की संभावना है। साल 2026 में अब तक यह छठी वन्य प्राणी प्रजाति है, जो कैमरे में कैद हुई है।

40 हजार आयुष्मान कार्ड डिसेबल 24 करोड़ के क्लेम रिजेक्ट

भोपाल। सरकार की आयुष्मान योजना में सिर्फइलाज ही नहीं, बल्कि फर्जीवाड़ा भी बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। स्थिति यह है कि अस्पतालों ने मरीजों को भर्ती दिखाकर करोड़ों रुपए के क्लेम फाइल किए। ऐसे लोगों के कार्ड ऐक्टिव रखे गए जो अस्पताल तक नहीं पहुंचे और कुछ अस्पताल बंद रहने के बावजूद इलाज का बिल बनाते रहे। स्थिति का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि दक्ष आयुष्मान फ्रेमवर्कके तहत अब तक मध्यप्रदेश में 104 अस्पतालों पर कार्रवाई की गई है। करीब 40 हजार कार्ड डिसेबल कर क्लेम रिजेक्ट तक कर दिए गए। वहीं, फर्जी बिल लेने वाले अस्पतालों से उलटा 2.15 करोड़ रुपए की वसूली तक की गई है।

मध्यप्रदेश को एंटी-फ्रॉड कार्रवाई में देश में नंबर वन- आयुष्मान भारतप्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश को एंटी फ्रॉड एक्शन कैटेगरी में देश के सर्वश्रेष्ठ राज्य का दर्जा मिला हुआ है। इस सम्मान का आधार बना 'दक्ष आयुष्मान' फ्रेमवर्क।

पीसीसी चीफ जीतू पटवारी का तीखा हमला, ग्वालियर में बोले- जिले में हर कलेक्टर चोर, रिश्वत के बिना कोई काम नहीं होता

ग्वालियर। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने ग्वालियर दौरे के दौरान भारतीय जनता पार्टी सरकार और प्रशासन पर बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं। संभागीय ब्लॉक अध्यक्षों की बैठक में शामिल होने पहुंचे जीतू पटवारी ने भ्रष्टाचार, मतदाता सूची, पेयजल संकट और आउटसोर्स व्यवस्था को लेकर सरकार पर सीधा हमला बोला। उन्होंने यहां तक कह दिया कि जिले में हर कलेक्टर चोर है और रिश्वत के बिना कोई काम नहीं होता। जीतू पटवारी ने संगठनात्मक मजबूती को लेकर कहा कि कांग्रेस पार्टी पूरे प्रदेश में संगठन के पुनर्निर्माण की भावना के साथ काम कर रही है। वार्ड, पंचायत और मंडल स्तर पर कांग्रेस कमेटियों का गठन तेजी से किया जा रहा है। अब तक करीब सात हजार पंचायत कमेटियों का गठन हो चुका है। ग्वालियर-चंबल संभाग के सभी अध्यक्षों, जिला प्रभारियों और विधानसभा प्रभारियों को इसलिए बुलाया गया है ताकि संगठन निर्माण के काम को गंभीरता से समझते हुए समय पर पूरा किया जा सके। मतदाता सूची से जुड़े एसआईआर मामले पर बोलते हुए जीतू पटवारी ने कहा कि मुस्लिम वोट काटे जाने को लेकर गंभीर अनियमितताएं सामने आ रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी ने अपने सभी मंत्रियों की ड्यूटी लगा दी है ताकि वे अपने वोटों की रक्षा कर सकें। अब तक करीब 11 लाख आपत्तियों की शिकायतें मिल चुकी हैं, जो लोकतंत्र पर सीधा हमला है। उन्होंने कहा कि यही वह मुद्दा है जिसे राहुल गांधी बार-बार उठा रहे हैं। जीतू पटवारी ने चुनाव आयोग और जिला निर्वाचन अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि भारतीय जनता पार्टी के दबाव में कोई गलती की गई तो उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई जाएगी और जेल भेजा जाएगा। जिले में किसी भी तरह की अनियमितता पाई गई तो कलेक्टर के खिलाफ भी प्राथमिकी दर्ज कराई जाएगी। महू में दूषित पानी से मौतों के मामले पर पटवारी ने कहा कि मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार को 25 साल हो चुके हैं, लेकिन इससे पहले कभी ऐसा नहीं सुना गया कि पीने के पानी में जहर हो। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासनकाल में पानी में जहर से 25 लोगों की

मौत हो गई। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय हरित अधिकरण के निर्देशों के अनुसार प्रदेश का 70 प्रतिशत पानी पीने योग्य नहीं है। 25 साल की सरकार आज तक लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध नहीं करा पाई। कांग्रेस पार्टी अब हर जिले और हर वार्ड में आंदोलन चलाएगी, ताकि जनता को पीने का साफ पानी मिल सके। फूल सिंह बरैया के बयान को लेकर जीतू पटवारी ने कहा कि उन्होंने अपना स्पष्टीकरण दे दिया है और इस मुद्दे पर पार्टी का रुख स्पष्ट है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखे गए पत्र को लेकर जीतू पटवारी ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और मुख्य सचिव दोनों यह स्वीकार कर चुके हैं कि जिले में हर कलेक्टर चोर है और हर कलेक्टर पैसे लेता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी यह बात बार-बार कहती रही है कि 50 प्रतिशत भ्रष्टाचार होता है, लेकिन इस सरकार ने तो उस सीमा को भी पार कर दिया है। मुख्य सचिव ने स्वयं इस पर मुहर लगाई है। यह पूरी जानकारी प्रधानमंत्री कार्यालय और मुख्यमंत्री दोनों के पास है। इसका सीधा मतलब यह है कि जो कलेक्टर जिले में आता है, उसे पता होता है कि वह चोरी करने के लिए आ रहा है। उसे मुख्यमंत्री भेजता है और पैसे देकर ही उसे पोस्टिंग मिलती है। जीतू पटवारी ने सवाल उठाया कि क्या ऐसा कोई कार्यालय है जहां रिश्वत नहीं ली जाती। उन्होंने कहा कि तहसीलदार हो, पटवारी हो या गांव स्तर का कर्मचारी, हर जगह भ्रष्टाचार फैला हुआ है। ग्वालियर ही नहीं, पूरे संभाग की बात करें तो कोई ऐसा कार्यालय नहीं है जहां बिना रिश्वत के काम होता हो। उन्होंने पत्रकारों को भी चुनौती देते हुए कहा कि अगर कोई ऐसा कार्यालय है तो वे बताएं। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्य सचिव ने खुद स्वीकार किया है कि कलेक्टर चोर हैं और इसका सीधा असर गरीब किसानों, आम जनता और पत्रकारों पर पड़ रहा है। जब प्रशासनिक अराजकता और खुलेआम भ्रष्टाचार हो, और उसे सरकार स्वीकार भी कर रही हो, तो मुख्यमंत्री को पद पर बने रहने का कोई अधिकार नहीं है। आउटसोर्स व्यवस्था को लेकर जीतू पटवारी ने सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि ई-ऑफिस प्रणाली लागू होने के बाद आउटसोर्स कर्मचारियों की भर्ती बंद करने का सवाल ही नहीं उठता। उन्होंने कहा कि आउटसोर्स व्यवस्था इसलिए शुरू की गई थी क्योंकि सरकार नियमित नौकरियां देना नहीं चाहती थी और ईमानदारी से पद भरना नहीं चाहती थी। भारतीय जनता पार्टी पूरी सरकार को आउटसोर्स पर चलाना चाहती है। मंत्रालय से लेकर स्वास्थ्य विभाग तक आउटसोर्स पर जा चुका है। यह पूरी तरह से आउटसोर्स की सरकार है। उन्होंने सवाल उठाया कि जिन कर्मचारियों ने सालों तक काम किया है, उनके भविष्य का क्या होगा। जीतू पटवारी ने कहा कि यह सरकार पूरी तरह असंवेदनशील है और उसे कर्मचारियों या आम जनता की भावनाओं से कोई फर्क नहीं पड़ता। ग्वालियर में दिए गए इस बयान के बाद प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर तीखी हलचल देखने को मिल रही है।

बसंत पंचमी पर धार केसरिया रंग में रंगा: हजारों श्रद्धालुओं के साथ निकली भव्य शोभायात्रा, जयकारों से गूंजा शहर

धार। बसंत पंचमी के पावन अवसर पर धार में आस्था और उत्साह से भरी विशाल शोभायात्रा निकाली गई। इस भव्य शोभायात्रा में हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और पूरा शहर केसरिया रंग में रंगा नजर आया। शोभायात्रा की शुरुआत धार के उदाजी राव चौराहा स्थित लालबाग से हुई, जहां से हाथों में केसरिया ध्वज थामे महिलाएं, पुरुष, युवा और बच्चे ढोल-नगाड़ों की थाप पर नाचते-झूमते आगे बढ़े। शोभायात्रा जिस भी गली और चौराहे से होकर गुजरी, वहां 'जय-जय सियाराम' और 'जय मां वाग्देवी' के गगनभेदी जयकारे गूंजते रहे। यात्रा में धार शहर के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे, जिससे माहौल पूरी तरह भक्तिमय हो गया। दोपहर करीब 12 बजे शोभायात्रा भोजशाला पहुंची, जहां भोजशाला परिसर में धर्मसभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ताओं द्वारा श्रद्धालुओं को संबोधित किया गया। बसंत पंचमी को लेकर भोजशाला में मां वाग्देवी की अखंड पूजा का क्रम जारी है। जिलेभर से हजारों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचे, जिससे भोजशाला में लंबी कतारें देखने को मिलीं। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और व्यवस्था के लिए पुलिस द्वारा शहर में चाक-चौबंद इंतजाम किए गए थे। शोभायात्रा के साथ भारी पुलिस बल तैनात रहा। शाम को भोजशाला में मां वाग्देवी की महाआरती भी संपन्न होगी।

इलाज के लिए मायके आई थी 19 वर्षीय साली, अकेला पाकर जीजा ने किया दुष्कर्म, गिरफ्तार

ग्वालियर। रिश्तों को शर्मसार करने वाला एक घिनौना मामला सामने आया है, जहां बीमारी का इलाज कराने मायके आई 19 वर्षीय युवती के साथ उसके ही जीजा ने हैवानियत की हदें पार कर दीं। घर में युवती को अकेला पाकर आरोपी जीजा ने जबरन उसके साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। हालांकि इसी दौरान युवती की मां मौके पर पहुंच गई, जिससे आरोपी धमकी देता हुआ मौके से फरार हो गया। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी जीजा को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। यह मामला ग्वालियर के थाटीपुर थाना क्षेत्र के साठ फुटा रोड इलाके का है। यहां रहने वाली 19 वर्षीय युवती की शादी कंपू क्षेत्र में हुई थी। कुछ समय से युवती का स्वास्थ्य खराब चल रहा था, जिस कारण वह इलाज कराने के लिए अपने मायके आई हुई थी। इसी दौरान उसकी बातचीत अपनी फुफेरी बहन के पति धर्मवीर से होने लगी थी। पुलिस के अनुसार 19 जनवरी को युवती घर पर अकेली थी। उसकी मां और भाई किसी काम से बाहर गए हुए थे। इसी बीच आरोपी धर्मवीर ने युवती को फोन किया। बातचीत के दौरान जब उसे पता चला कि युवती घर में अकेली है, तो उसने अचानक फोन काट दिया। कुछ ही देर बाद आरोपी युवती के घर पहुंच गया। आरोप है कि घर में घुसते ही धर्मवीर ने दरवाजा बंद कर दिया और युवती के साथ जबरन गलत काम किया। युवती विरोध करती रही, लेकिन आरोपी नहीं माना। इसी बीच अचानक युवती की मां घर पहुंच गई। मां को देखते ही आरोपी जीजा ने युवती को जान से मारने की धमकी दी और मौके से भाग निकला। घटना के बाद पीड़िता ने पूरी आपबीती अपने पति को बताई। इसके बाद वह अपने पति के साथ थाने पहुंची और मामले की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने युवती की शिकायत पर आरोपी जीजा धर्मवीर के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है और पूरे मामले की जांच की जा रही है। इस घटना ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि भरोसे के रिश्तों में छिपी दरिंदगी किस हद तक जा सकती है, जहां एक जीजा ने अपनी ही साली के साथ इंसानियत को शर्मसार कर देने वाली वारदात को अंजाम दिया।

उत्तर प्रदेश में हटेंगे अनावश्यक नियम, सीएम योगी का बड़ा संकेत

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्पष्ट कहा कि प्रदेश में प्रशासन का चेहरा अब नियंत्रण नहीं, बल्कि भरोसे पर आधारित होना चाहिए। अनावश्यक नियम, प्रक्रियाएं और अनुमतियां हटाकर आम नागरिक और उद्यमियों को राहत देना सरकार की प्राथमिकता है। कंप्लायंस रिडक्शन और डी-रेगुलेशन फेज-2 की उच्चस्तरीय समीक्षा में मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि हर सुधार का असर कागजों में नहीं, बल्कि जमीन पर नजर आना चाहिए। मुख्यमंत्री ने अपने आवास में आयोजित उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में कहा कि कंप्लायंस रिडक्शन फेज-1 में प्रदेश को देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य घोषित किया जाना बड़ी उपलब्धि है, लेकिन असली चुनौती फेज-2 में इन सुधारों को स्थायी और संस्थागत रूप देना है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि डी-रेगुलेशन का अर्थ नियंत्रण समाप्त करना नहीं, बल्कि अनावश्यक नियंत्रण हटाकर जरूरी नियमों को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनाना है। बैठक में बताया गया कि फेज-2 के तहत नौ थीम, 23 प्राथमिकता वाले क्षेत्र और वैकल्पिक प्राथमिकता वाले क्षेत्र चिह्नित किए गए हैं। भूमि उपयोग से जुड़े मामलों में लैंड यूज में बदलाव जैसी जटिल अनुमतियों को समाप्त या सरल करने पर काम हो रहा है, ताकि किसानों और भू-स्वामियों को राहत मिल सके। भवन निर्माण और कंस्ट्रक्शन सेक्टर में नक्शा पास, लेआउट अप्रूवल और कंप्लीशन सर्टिफिकेट जैसी प्रक्रियाओं को जोखिम-आधारित प्रणाली (रिस्क-बेस्ड सिस्टम) पर लाने, सेल्फ-सर्टिफिकेशन और डीम्ड अप्रूवल को बढ़ावा देने के निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री ने अलग-अलग विभागों की अनुमतियों को एकीकृत डिजिटल प्लेटफार्म पर लाकर स्पष्ट समय सीमा तय करने पर जोर दिया, जिससे उद्योगों और नागरिकों को दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें। ऊर्जा, पर्यावरण, पर्यटन, शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्रों में भी आनलाइन व आटो-अप्रूवल सिस्टम को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि ये सुधार केवल निवेश और उद्योग तक सीमित नहीं हैं, बल्कि घर बनाने, बिजली-पानी कनेक्शन और रोजमर्रा की सेवाओं से जुड़ी आम जनता की परेशानियां कम करने के लिए हैं। सभी विभाग तय समय सीमा में सुधार लागू करें और नियमित निगरानी के जरिए जवाबदेही तय की जाए। ऊर्जा सेक्टर के संदर्भ में बताया गया कि बिजली कनेक्शन, लोड बढ़ाने और अन्य तकनीकी अनुमतियों की प्रक्रिया सरल करते हुए आनलाइन और आटो-अप्रूवल सिस्टम को प्राथमिकता दी जा रही है।

वसंतोत्सव पर मां सरस्वती की हवन-पूजन के साथ हुई महाआरती

इंदौर प्रेस क्लब में मीडियाकर्मियों के साथ नेता, समाजसेवी और प्रशासनिक अधिकारी भी हुए शामिल

रणजीत टाइम्स

इंदौर। वसंत पंचमी के अवसर पर शुक्रवार को इंदौर प्रेस क्लब में प्रतिवर्षानुसार वसंतोत्सव मनाया गया। प्रेस क्लब परिसर में स्थित मंदिर में विराजमान विद्या की देवी मां सरस्वती का इंदौर प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष अरविंद तिवारी, अध्यक्ष दीपक कर्दम एवं महासचिव प्रदीप जोशी ने विधि-विधान से पूजन एवं हवन कर महाआरती की। वसंतोत्सव के इस कार्यक्रम में मीडिया के साथियों के साथ ही समाजसेवी, पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारी और वरिष्ठ नेतागण शामिल हुए। पूजन का कार्यक्रम पंडित धीरेंद्र राजौरिया ने संपन्न कराया। इंदौर प्रेस क्लब परिसर में विराजमान विद्या की देवी मां सरस्वती वसंत पंचमी के अवसर पर शहर के गणमान्य व्यक्तियों के अलावा बड़ी संख्या में मीडिया के साथी उपस्थित हुए। वसंतोत्सव में संतश्री तराणेकर महाराज, दादू महाराज, विधायक रमेश मेंदोला, गोलू शुक्ला, पूर्व मंत्री सज्जनसिंह वर्मा, पूर्व विधायक सुदर्शन गुप्ता, पूर्व महापौर कृष्णमुरारी मोघे, भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे, मीडिया प्रभारी वरुण पाल, सह मीडिया प्रभारी निति शर्मा, जे.पी. मूलचंदानी, एमआईसी निरंजन सिंह चौहान, पार्षद जीतू यादव, भाजपा नगर उपाध्यक्ष दीपेन्द्र सोलंकी, वीरेंद्र व्यास, नगर निगम अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर, अभ्यास मंडल के अध्यक्ष रामेश्वर गुप्ता, शिवाजी मोहिते, हिंदी परिवार के सूर्यकांत नागर, अध्यक्ष हरेराम वाजपेयी, अरविंद ओझा, स्वदेशी जागरण मंच की महिला विंग की सह प्रमुख अलका सैनी, संस्था उड़ान की प्रमुख वैशाली शर्मा, वामा साहित्य मंच की पूर्व अध्यक्ष अमर कौर चड्डा, विचार साहित्य प्रवाह मंच की संस्थापक अध्यक्ष सुषमा दुबे, ब्रह्माकुमारी संस्थान से अनिता बहन, वरिष्ठ लेखिका मणिमाला शर्मा, स्टेट बार कौंसिल के सदस्य जय हार्डिया, हाईकोर्ट बार अध्यक्ष रितेश ईनाणी, जिला बार अध्यक्ष लखनलाल शर्मा, सचिव कपिल बिरथरे, उपाध्यक्ष जितेंद्र निम, अतुल त्रिवेदी, राष्ट्रीय स्वयं संघ मालवा प्रांत के सह प्रचार प्रमुख पवन तिवारी, प्रांजल सुकुल, अरुण सवकाले, इंटक प्रदेश अध्यक्ष श्यामसुंदर यादव विशेष रूप से मौजूद थे। समारोह में वरिष्ठ कांग्रेस नेता राजेश चौकसे, के.के. मिश्रा, गिरधर नागर, अमन बजाज, अमित चौरसिया, अखिल भारतीय महिला मराठा महासंघ की अध्यक्ष स्वाति काशीद, समाजसेवी अजय शारडा, अजय चौरडिया, सराफा बाजार एसोसिएशन के मंत्री बसंत सोनी, अजय लाहोटी, गुरुसिंघ के पूर्व अध्यक्ष मनजीत सिंह भाटिया, इंदौर उत्थान अभियान के अध्यक्ष अजीत सिंह नारंग, शिक्षाविद एस.एल. गर्ग ने भी समारोह में भाग लिया। अतिथियों का स्वागत प्रेस क्लब अध्यक्ष दीपक कर्दम, महासचिव प्रदीप जोशी, उपाध्यक्ष संजय त्रिपाठी, प्रियंका पांडेय, सचिव अभिषेक चेंडके, कोषाध्यक्ष मुकेश तिवारी, कार्यकारिणी सदस्य अभय तिवारी, मनीष मक्खर, प्रमोद दीक्षित, अंशुल मुकाती, विजय भट्ट, श्याम कामले, महिला प्रतिनिधि पूनम शर्मा ने किया।

समारोह में वरिष्ठ पत्रकार जयदीप कर्णिक, कीर्ति राणा, प्रदीप मिश्रा, राजेश ज्वेल, तपेन्द्र सुगंधी, सुधाकर सिंह, शैलेश पाठक, संजय जोशी, गजानंद वर्मा, हरीश फतेहचंदानी, विवेक सेठ, अनिल कर्मा, प्रदीप दीक्षित, बालकृष्ण उपाध्याय, प्रो. राजीव शर्मा, ओमप्रकाश जैन, ललित उपमन्यु, अन्ना दुर्रई, अनिल त्यागी, किरण वाईकर, राजीव उपाध्याय, लोकेंद्र थनवार, धर्मेन्द्र शुक्ला, सरिता शर्मा, प्रवीण जोशी, दिनेश जोशी, विकास मिश्रा, सूरज उपाध्याय, सुमित ठक्कर, राहुल दुबे, विपिन नीमा, सुदेश तिवारी, घनश्याम डोंगरे, दीपक शर्मा, बी.डी. तिवारी, अखिल हार्डिया, अमित जलधारी, संजीव मालवीय, राजू घोलप, मदनलाल बम, अशोक शर्मा, गोविंद राठौर, अर्जुन रिछारिया, सी. अर्जुन, कमलेश सेन, रवीन्द्र जैन, महेंद्र राठौर, राहुल वावीकर, कमलेश्वर सिसोदिया, प्रकाश कजोडिया, निलेश राठौर, देवकीनंदन तिवारी, डॉ. देवेंद्र मालवीय, राजू रायकवार, महेन्द्र दुबे, रघुनाथ पंवार, नीतेश पाल, नवीन मौर्य, सीतल खंडेलवाल, गिरीश कानूनगो, राजेंद्र कोपरगांवकर, अभिषेक रघुवंशी, लक्ष्मीकांत पंडित, डॉ. अर्पण जैन, नरेंद्र जोशी, प्रदीप जोशी, सुनील वर्मा, अनिल पुरोहित, बालकृष्ण मुले, सौरभ पंवार, प्रशांत यादव, नाना नागर सहित बड़ी संख्या पत्रकार एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे।

इंदौर में मौसम ने बदला मिजाज : दोपहर में बढ़ी गर्मी, सप्ताह के अंत में फिर लौटेगी ठंड

इंदौर। शहर में मौसम ने अचानक करवट ले ली है। पिछले सप्ताह की तेज ठंड के बाद अब तापमान में तेजी से बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। दोपहर के समय गर्मी ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं, जबकि रात में भी ठंड का असर कम होता जा रहा है। कोहरे का असर लगभग समाप्त हो चुका है। ठंड से मिली राहत अब बढ़ती गर्मी के कारण लोगों को असहज करने लगी है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, हवाओं की दिशा में बदलाव तापमान बढ़ने का प्रमुख कारण है। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले दो दिनों तक गर्मी का यही दौर बना रहेगा, हालांकि सप्ताह के अंत में एक बार फिर ठंड की वापसी हो सकती है।

अगले दो दिन गर्मी रहेगी हावी– मौसम विभाग के अनुसार, अगले दो दिनों तक इंदौर में तापमान में और बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। इसके बाद सप्ताह के अंत, खासकर रविवार तक, तापमान में गिरावट शुरू हो सकती है और ठंड का असर फिर से महसूस किया जा सकता है। इसके बाद तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोतरी के संकेत हैं।

हवाओं की दिशा बदलने से बदला मौसम– पिछले दो दिनों तक उत्तरी हवाओं के प्रभाव से ठंड का असर तेज था, लेकिन बुधवार रात हवाओं के पूर्वी रुख में बदलते ही न्यूनतम तापमान में तेजी से उछाल आया। इसके कारण ठंड का असर कम हो गया और मौसम अपेक्षाकृत सुहावना हो गया।

मौसम विज्ञानियों के अनुसार, मंगलवार और बुधवार तक उत्तरी हवाओं के कारण ठंड बनी हुई थी, लेकिन बुधवार रात से पूर्वी हवाओं के सक्रिय होते ही तापमान में तेजी से वृद्धि दर्ज की गई।

तापमान का हाल– दिन का तापमान 26.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.4 डिग्री अधिक रहा। रात का तापमान 12.2 डिग्री सेल्सियस रहा, जिसमें 3.8 डिग्री की बढ़ोतरी दर्ज की गई। मौसम विभाग ने नागरिकों को सलाह दी है कि बदलते मौसम को देखते हुए स्वास्थ्य का ध्यान रखें, खासकर सुबह और रात के समय हल्की ठंड से बचाव जरूरी है।

कैमरे के सामने बदला सीन: पीएम मोदी के इशारे से Nitin Nabin का टूटा 'बॉस' होने का भ्रम

सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे एक वीडियो ने सियासी गलियारों में हलचल मचा दी है। वीडियो में एक ऐसा पल कैद हुआ है, जिसे लेकर दावा किया जा रहा है कि केंद्रीय नेतृत्व ने मंच पर ही एक नेता को उसकी हैसियत का एहसास करा दिया। वायरल क्लिप में दिख रहा है कि बिहार के मंत्री नितिन नवीन मंच पर ऐसे व्यवहार करते नजर आए, मानो वे पूरे कार्यक्रम के संचालन के बॉस हों, लेकिन कुछ ही पलों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इशारे ने पूरा दृश्य बदल दिया।

वीडियो में देखा जा सकता है कि कार्यक्रम के दौरान नितिन नवीन बार-बार कैमरे और मंच की व्यवस्था में दखल देते नजर आते हैं। उनके हाव-भाव से ऐसा प्रतीत होता है कि वे कार्यक्रम की कमान अपने हाथ में लिए हुए हैं। इसी दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंच पर मौजूद होते हैं और पूरे घटनाक्रम पर नजर रखते हैं। कैमरे की पोजिशन और मूवमेंट को लेकर स्थिति कुछ असहज होती दिखती है। वायरल वीडियो के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिना कुछ कहे, सिर्फ अपने हाव-भाव और इशारे से स्थिति स्पष्ट कर दी। इसके बाद नितिन नवीन का अंदाज अचानक बदलता नजर आता है। मंच पर मौजूद अन्य नेता भी स्थिति को समझते दिखते हैं। यह पूरा दृश्य कैमरे में कैद हो गया, जो अब सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। वीडियो वायरल होते ही यूजर्स ने तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं देनी शुरू कर दीं। कुछ लोगों ने इसे 'प्रोटोकॉल की याद दिलाने वाला पल' बताया, तो कुछ ने तंज कसते हुए लिखा कि प्रधानमंत्री मोदी किसी भी बात से समझौता कर सकते हैं, लेकिन कैमरे और मंच अनुशासन से नहीं। कई यूजर्स ने इसे नेतृत्व की सख्ती और संदेश देने वाला क्षण करार दिया। इस वायरल वीडियो को लेकर राजनीतिक हलकों में भी चर्चा तेज है। जानकारों का कहना है कि बड़े मंचों पर हर नेता की भूमिका तय होती है और प्रधानमंत्री के कार्यक्रमों में प्रोटोकॉल का विशेष ध्यान रखा जाता है। ऐसे में कैमरे के सामने हुई यह घटना अपने आप में एक राजनीतिक संदेश भी मानी जा रही है। कुल मिलाकर यह वायरल वीडियो केवल एक क्षण नहीं, बल्कि सत्ता, अनुशासन और सार्वजनिक मंच की मर्यादा का संदेश देता नजर आ रहा है। कैमरे के सामने घटा यह दृश्य अब राजनीति से लेकर सोशल मीडिया तक बहस का मुद्दा बन चुका है।

ऑस्ट्रेलियन ओपनः कोरेंटिन मौटेट को हराकर

अल्काराज चौथे राउंड में

मेलबर्न, एजेंसी। दुनिया के नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 के चौथे राउंड में जगह बना ली है। अपने 100वें ग्रैंड स्लैम मुकाबले में अल्काराज ने फ्रांस के कोरेंटिन मौटेट को सीधे सेटों में 6-2, 6-4, 6-1 से हराकर चौथे दौर में जगह बनाई। दूसरे सेट में 3-0 की बढ़त के बाद अल्काराज ने लगातार चार गेम गंवा दिए, लेकिन उन्होंने शानदार वापसी करते हुए 4-4 पर अहम ब्रेक हासिल किया और दो सेट की बढ़त बना ली। तीसरे सेट में उन्होंने पूरी तरह दबदबा बनाते हुए डबल ब्रेक लिया और दो घंटे पांच मिनट में मैच समाप्त कर दिया। मैच के बाद अल्काराज ने कहा, 'कोरेंटिन जैसे खिलाड़ी के खिलाफ खेलना आसान नहीं होता। आपको कभी नहीं पता कि अगला पॉइंट कैसा होगा। मैच को पढ़ना मुश्किल था, लेकिन मुझे कोर्ट पर बहुत मजा आया। हम दोनों ने शानदार शॉट्स खेले और कुछ बेहतरीन पॉइंट्स बने।'

अल्काराज अब 19वीं वरीयता प्राप्त अमेरिकी खिलाड़ी टॉमी पॉल से भिड़ेंगे। अब तक टूर्नामेंट में एक भी सेट न गंवाने वाले अल्काराज अगर अपना पहला ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीत लेते हैं, तो वह सबसे कम उम्र में करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले खिलाड़ी बन जाएंगे। 22 साल के अल्काराज का इस जीत के साथ ग्रैंड स्लैम रिकॉर्ड 87-13 हो गया है। उन्होंने 100 मैचों में सर्वश्रेष्ठ मेजर रिकॉर्ड के मामले में दिग्गज ब्योर्न बोर्ग की बराबरी कर ली। स्पेन के इस खिलाड़ी ने इससे पहले मेलबर्न में दो बार क्वार्टर फाइनल तक का सफर तय किया है। इस बार वे खिताब जीतने के लक्ष्य के साथ ऑस्ट्रेलिया पहुंचे हैं। छह बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन अल्काराज ने इस मामले में कई महान खिलाड़ियों को पीछे छोड़ दिया है। राफेल नडाल और जॉन मैकेनरो ने अपने पहले 100 मेजर मैचों में 86-14 का रिकॉर्ड बनाया था, जबकि नोवाक जोकोविच 79-21 और रोजर फेडरर 80-20 के आंकड़े तक पहुंचे थे। अल्काराज के प्रमुख प्रतिद्वंद्वी जैनिक सिनर ने पिछले साल विंबलडन में अपना 100वां मेजर मैच खेला था, जहां उनका रिकॉर्ड 81-19 रहा।

अदार पूनावाला ने दिखाई RCB को खरीदने में दिलचस्पी

कहा- मजबूत बोली लगाने की तैयारी कर रहा हूं

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2026 की शुरुआत से पहले ये चर्चा जोरों पर है कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का ऑनर बदल सकता है। इन खबरों के बीच सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के सीईओ और मशहूर उद्योगपति अदार पूनावाला ने आरसीबी को खरीदने में दिलचस्पी सार्वजनिक रूप से दिखाई है। अदार पूनावाला ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'आने वाले कुछ महीनों में आरसीबी के लिए एक मजबूत और प्रतिस्पर्धी बोली लगाने की तैयारी कर रहा हूं। यह आईपीएल की सबसे बेहतरीन टीमों में से एक है।' आईपीएल 2025 में टीम के चैंपियन बनने और सेलिब्रेशन के दौरान हुए हादसे के बाद फ्रेंचाइजी के बिकने की चर्चाएं होती रही हैं। पूर्व में भी कई बार फ्रेंचाइजी के बिकने की खबर आई है जो

अब तक गलत साबित हुई है, लेकिन आरसीबी के चैंपियन बनने, टीम की फैन फॉलोइंग और हाल में हुए विवादों के बाद मालिकाना हक बदलने की संभावनाएं बढ़ गई हैं। जानकारी के मुताबिक पूनावाला के अलावा, विजय किरागंदूर की कंपनी होम्बले फिल्म्स भी आरसीबी को खरीदने की दौड़ में शामिल मानी जा रही है। होम्बले फिल्म्स 'केजीएफ' और 'कांतारा' जैसी सुपरहिट फिल्मों की निर्माता है। आरसीबी आईपीएल की मौजूदा चैंपियन है। लगातार 17 साल निराशा झेलने के बाद आरसीबी ने 18वें सीजन (आईपीएल 2025) में पहली बार खिताब जीता।

रेखा गुप्ता सरकार का साल पूरा होने को आया, महिलाओं को 2,500 का इंतजार, अधर में महिला समृद्धि योजना!

दिल्ली में रेखा गुप्ता के नेतृत्व वाली बीजेपी सरकार को एक साल पूरा होने में एक महीने से भी कम समय बचा है। लेकिन राष्ट्रीय राजधानी की महिलाएं अभी भी भाजपा के बड़े चुनावी वादों में से एक का इंतजार कर रही हैं – महिला समृद्धि योजना के तहत 2,500 रुपए की मासिक सहायता। लगभग एक साल में, योजना के तहत बनाई गई समिति ने केवल चार बार ही बैठक की है, लेकिन अभी तक पात्रता मानदंड को अंतिम रूप देने में विफल रही है, जो कि इस योजना को लागू करने का सबसे बुनियादी कदम है। रेखा गुप्ता और उनके सहयोगियों के 20 फरवरी, 2025 को पद की शपथ लेने के कुछ दिनों बाद ही इस योजना को मंत्रिमंडल ने मंजूरी दे दी और 8 मार्च, 2025 को इसकी घोषणा की गई। अपनी घोषणा के साथ ही, दिल्ली सरकार ने कहा कि विस्तृत दिशा-निर्देश और नियम को तैयार करने के लिए, मुख्यमंत्री और तीन मंत्रिमंडल मंत्रियों - प्रवेश साहिब सिंह, आशीष सूद और कपिल मिश्रा की अध्यक्षता में एक समिति का बनाई जाएगी।

दिल्ली में पात्र महिला लाभार्थियों को प्रति माह 2,500 रुपए की वित्तीय मदद करने वाली महिला समृद्धि योजना (MSY) के तहत, ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन के लिए एक पोर्टल को "जितनी जल्दी हो सके" तैयार किया जाना था। लेकिन यह अभी

तक तैयार नहीं है। मामले की जानकारी रखने वाले एक सरकारी अधिकारी ने News18 को बताया कि प्रक्रियाएं अभी भी जारी हैं और योजना को अभी तक लागू नहीं किया गया है।एक अधिकारी ने बताया कि महिला समृद्धि योजना को लागू करने में कई प्रक्रियाएं शामिल हैं। इनमें पात्रता तय करना, ऑनलाइन सिस्टम बनाना, फंड ट्रांसफर की व्यवस्था करना और पारदर्शिता और सरलता के लिए एक स्पेशल पोर्टल तैयार करना शामिल है। अधिकारी के अनुसार, ये सभी काम अभी प्रक्रिया में हैं, इसलिए योजना को अभी तक लागू नहीं किया जा सका है। उन्होंने नाम न छापने की शर्त पर यह जानकारी दी। अधिकारी ने यह भी कहा कि जैसे ही इन सभी प्रक्रियाओं को अंतिम रूप दे दिया जाएगा, योजना शुरू कर दी जाएगी, हालांकि उन्होंने इसके लिए कोई समयसीमा नहीं बताई। कैबिनेट ने इस योजना को मंजूरी देते समय इसके लिए 5,100 करोड़ रुपए भी तय किए थे। यह योजना दिसंबर 2024 में घोषित की गई थी। तब दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने विधानसभा चुनाव से कुछ हफ्ते पहले दिल्ली की सभी महिलाओं को 1,000 रुपए देने की मंजूरी दी थी।

AAP का प्लान था कि टैक्स देने वाली महिलाएं, सरकारी कर्मचारी और पहले से सरकारी मदद पाने वाली महिलाएं इस योजना से बाहर रहें। पीला राशन कार्ड गरीबी रेखा से नीचे (BPL) आने वाले परिवारों को दिया जाता है। सरकार के संबंधित विभाग प्रक्रिया पूरी होने के बाद पात्र महिलाओं की पहचान करेंगे। चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली में 18 साल से ऊपर की 72.37 लाख महिलाएं हैं। इस योजना का लाभ लेने के लिए महिला का पंजीकृत वोटर होना जरूरी होगा। हालांकि कैबिनेट से 5,100 करोड़ रुपए की मंजूरी और बार-बार भरोसा दिलाने के बावजूद, बीजेपी सरकार के लगभग एक साल पूरे होने के बाद भी महिलाएं इस मदद का इंतजार

सुप्रीम कोर्ट में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के 2011 के चुनाव को चुनौती देने वाली याचिका

2011 में कोलाथुर निर्वाचन क्षेत्र से पूर्व डिप्टी सीएम और DMK नेता एमके स्टालिन (अब तमिलनाडु के मुख्यमंत्री) के विधायक के तौर पर चुनाव को चुनौती देने वाली याचिका में सुप्रीम कोर्ट इस बात पर विचार करने वाला है कि भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 65B के तहत एक सर्टिफिकेट द्वारा विधिवत प्रमाणित होने के बाद वीडियो सबूत की सामग्री को किस हद तक साबित करने की आवश्यकता है। जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस विजय बिश्नोई की बेंच इस मामले की सुनवाई कर रही है। यह मामला AIADMK नेता सैदाई एस दुरईसामी द्वारा मद्रास हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती देने से जुड़ा है, जिसने कथित भ्रष्ट तरीकों के आरोप में 2011 के विधानसभा चुनावों में कोलाथुर से स्टालिन के चुनाव के खिलाफ उनकी चुनाव याचिका को खारिज कर दिया था। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की ओर से सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल और अमित आनंद तिवारी पेश हुए और एसएस दुरईसामी की ओर से सीनियर एडवोकेट दामा शेषाद्रि नायडू पेश हुए। संक्षेप में मामला दुरईसामी कुछ घटनाओं के वीडियो फुटेज पर निर्भर हैं, जिन्हें सीडी में ट्रांसफर किया गया। इन वीडियो को स्टालिन ने धारा 65B के तहत सर्टिफिकेशन की कमी के कारण चुनौती दी थी। अधिकारियों की गवाही के आधार पर हाईकोर्ट ने राय दी कि सीडी के प्रोडक्शन/प्रामाणिकता पर संदेह नहीं किया जा सकता है। साथ ही इन आधिकारिक गवाहों में

से एक द्वारा धारा 65B(4) के तहत दिए गए सर्टिफिकेट पर विचार करते हुए उसने माना कि सीडी को "द्वितीयक साक्ष्य" के रूप में स्वीकार किया जा सकता है।

बहस मुख्य रूप से नायडू ने की, जिन्होंने कोर्ट को महत्वपूर्ण सामग्री से अवगत कराया, आरोपों और सहायक सबूतों की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट ने उचित संदेह से परे सबूत के पैमाने पर ध्यान दिया, न कि संभावनाओं की अधिकता पर। बेंच ने उनसे खास तौर पर उस सबूत के बारे में पूछा, जो इस आरोप का समर्थन करता है कि वोटर्स के बीच पैसे का बंटवारा स्टालिन की सहमति से हुआ था। बेंच ने यह भी कहा कि इलेक्ट्रॉनिक सबूत के कंटेंट्स को किस हद तक साबित करने की जरूरत है, इस मुद्दे पर विचार करना होगा चुनाव याचिका में दुरईसामी ने न केवल स्टालिन पर बल्कि उनके चुनाव एजेंटों और कोलाथुर में DMK पार्टी वर्कर्स पर भी आरोप लगाए। आरोप था कि DMK ने 'थिरुमंगलम फॉर्मूला' के जरिए 'कम्युनिटी फीडिंग', कूरियर सर्विस, अखबार में करेंसी, आरती प्लेट में योगदान और कंज्यूमर आइटम खरीदने के लिए पर्चियों जैसे नए तरीकों से वोटर्स को पैसे दिए। यह तर्क दिया गया कि स्टालिन, उनके चुनाव एजेंट और पार्टी पदाधिकारियों ने नॉमिनेशन की तारीख से लेकर वोटिंग की तारीख तक वोटर्स को गैर-कानूनी तरीके से 500 से 10000 रुपये बांटे। यह सब स्टालिन की सहमति और जानकारी से हुआ और यहां तक कि गिनती के दिन भी ECI के आदेशों का उल्लंघन किया गया। आखिरकार, स्टालिन को 2739 वोटों के अंतर से विजयी उम्मीदवार घोषित किया गया।

दुरईसामी का यह भी तर्क था कि वोटिंग की तारीखों से एक दिन पहले वोटर्स के बीच बांटने के लिए लाए गए पैसों से भरे एक ट्रक को पुलिस ने जब्त कर लिया और DMK पार्टी वर्कर्स ने ट्रक की जांच का विरोध किया। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि स्टालिन की पत्नी, दुर्गा स्टालिन ने चेन्नई के तत्कालीन मेयर के साथ मिलकर वोटर्स को पैसे और तोहफे बांटने की निगरानी की (स्टालिन की ओर से)। उन्होंने तमिल मैगज़ीन स्नेहिधि का हवाला देते हुए दुर्गा स्टालिन के इंटरव्यू का ज़िक्र किया, जिसमें उन्होंने कथित तौर पर कहा था कि वोटिंग खत्म होने के बाद उन्होंने अपने पति (एमके स्टालिन) से उन लोगों को "खाट" और जरूरी वित्तीय सहायता देने के लिए कहा, जिन्हें उन्होंने कैंपेन के दौरान आश्वासन दिया।

अमेरिका में इमिग्रेशन की 'क्रूर' कार्रवाई : 5 साल के मासूम को पिता के साथ डिटेंशन सेंटर भेजा, भड़कीं कमला हैरिस

अमेरिका में इमिग्रेशन कार्रवाई के दौरान एक पांच साल के बच्चे को उसके पिता के साथ डिटेंशन सेंटर ले जाने का मामला सामने आया है। स्कूल प्रशासन के मुताबिक यह कोई पहला मामला नहीं है। हाल के हफ्तों में मिनियापोलिस के एक उपनगरीय इलाके से यह चौथा छात्र है, जिसे इमिग्रेशन एजेंट्स ने हिरासत में लिया है। इस घटना पर अमेरिका की पूर्व उप-राष्ट्रपति कमला हैरिस ने कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि लियाम रामोस केवल एक बच्चा है और उसे अपने परिवार के साथ घर पर होना चाहिए, न कि ICE के जरिए टेक्सास के डिटेंशन सेंटर में रखा जाना चाहिए। उन्होंने इस पूरे घटनाक्रम पर नाराजगी जताते हुए कहा कि लोगों को इस पर गुस्सा होना चाहिए।

कैसे हुई बच्चे की हिरासत

कोलंबिया हाइट्स पब्लिक स्कूल की सुपरिटेंडेंट जेना स्टेनविक ने बुधवार, 21 जनवरी को पत्रकारों को बताया कि फेडरल एजेंट मंगलवार दोपहर लियाम कोनेजो रामोस को उसके घर के ड्राइववे में खड़ी कार से ले गए। उन्होंने कहा कि एजेंट्स ने बच्चे से घर का दरवाजा खटखटाने को कहा, ताकि यह पता चल सके कि अंदर और लोग मौजूद हैं या नहीं। उनके अनुसार, एक पांच साल के बच्चे को इस तरह इस्तेमाल किया गया। परिवार के वकील मार्क प्रोकोश ने गुरुवार को बताया कि लियाम और उसके पिता को टेक्सास के डिले में एक इमिग्रेशन डिटेंशन सेंटर ले जाया गया है। उनका मानना है कि दोनों को एक फैमिली होल्डिंग सेल में रखा गया है, हालांकि अभी तक उनसे सीधा संपर्क नहीं हो पाया है। वकील ने कहा कि उन्हें कानूनी और नैतिक विकल्पों पर विचार किया जा रहा है, ताकि किसी तरह उन्हें रिहा कराया जा सके।

ICE का पक्ष

डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी की प्रवक्ता ट्रिशिया मैकलग्लिन ने बयान जारी कर कहा कि Immigration and Customs Enforcement (ICE) ने किसी बच्चे को निशाना नहीं बनाया। उनके अनुसार एजेंट्स बच्चे के पिता एड्रियन अलेक्जेंडर कोनेजो एरियस को गिरफ्तार करने पहुंचे थे, जो इक्वाडोर का नागरिक है और अमेरिका में अवैध रूप से रह रहा था। बयान में कहा गया कि कार्रवाई के दौरान पिता बच्चे को छोड़कर पैदल भाग गया। मैकलग्लिन ने यह भी कहा कि बच्चे की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए एक ICE अधिकारी उसके साथ रहा, जबकि अन्य अधिकारियों ने पिता को हिरासत में लिया। उन्होंने बताया कि ऐसे मामलों में माता-पिता को यह विकल्प दिया जाता है कि वे अपने बच्चों के साथ रहें या उन्हें अपनी पसंद के किसी व्यक्ति की देखरेख में छोड़ दें।